रोज़ा शुरू करने की दुआ

सहर के बयान में :- फर्माया रसूल-ए-खुदा (स०) ने कि मेरी उम्मत सहरी खाने को न छोड़े। चाहे वह एक ही दाना खुर्मा (खजूर) का खाये। क्योंकि खुदा और मलाएकः सलवात भेजते हैं, उन लोगों पर जो इस्तिग़फार करते हैं, सहर के वक़्त और सहर खाते हैं। इसलिए सहर खाओ, चाहे पानी हो और मनकूल है कि जो "सूरः-ए-इन्ना अनज़ल्नाह" सहर के वक़्त और इफ़्तार के वक़्त पढ़े, तो इन दोनों वक़्तों के बीच के समय में उसे सवाब उस व्यक्ति का मिलेगा, जो खुदा की राह में शहीद हुआ हो और अपने खून में लोटा हो।

दुआ-ए-सहर में बेहतरीन दुआ यह है, जो इमाम मुहम्मद बाकिर (अ०) पढ़ते थे। अगर कोई इस दुआ की अज़मत को समझे कि खुदा के नज़दीक किया है और कितनी जल्दी कुबूल होती है, तो सभी इस दुआ को हासिल करने के लिए आपस में एक दूसरे से जंग करते। इस दुआ में खुदा का इस्म-ए-अअज़म है। इसलिए जब इस दुआ को पढ़े, तो पूरे अहतेमाम से आँसुओं से रोता हुआ पढ़े और जो लाएक न हो, उससे इस दुआ को छुपाये रखे। दुआ यह है :-

"अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन बहाऐका बे अबहाहो व कुल्लो बहाऐका बही अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे बहाऐका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन जमालेका बे अज्मलेही व कुल्लो जमालेका जमील अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे जमालेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन जलालेका बे अजल्लेही व कुल्लो जलालेका जलील अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे जलालेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन अज़ामतेका बेअअज़मेहा व कुल्लो अज़ामातेका अज़ीमह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे अज़ामातेका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन नूरेका बे अनवारेही व कुल्लो नूरेका नय्यिर अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बेनूरेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन रहमातेका बे औसअेहा व कुल्लो रहमातेका वासेअह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बेरहमातेका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन कलेमातेका बे अतम्मेहा व कुल्लो कलेमातेका ताम्मह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे कलेमातेका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन कमालेका व अक्मलेही व कुल्लो कमालेका कामिल अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे कमालेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन अस्माऐका बे अक्बरेहा व कुल्लो अस्माऐका कबीरह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बेअस्माऐका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन अिज़्ज़ातेका

अनुमति : अब्बास बुक एजेंसी द्वारा प्रकाशित "तोहफतुल-अवाम" से लिया गया ! अपनी किताबों को खरीदने के लिए संपर्क करें abbasbookagency@yahoo.com / अथवा एसेमेस भेजें : +91-941-510-2990

रोज़ा शुरू करने की दुआ

बेअअज़्ज़ेहा व कुल्लो अिज़्ज़ातेका अज़ीज़ह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बेअिज़्ज़ातेका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन मशीयातेका बे अम्ज़ाहा व कुल्लो मशीयातेका माज़ेयह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बेमशीयातेका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन क़ुदरातेका बिल क़ुदरातिल लातिस तातलता बेहा अला कुल्ले शैइन व कुल्लो क़ुदरातेका मुस्ततीलह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे क़ुदरातेका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन अिल्मेका बेअन्फ़ज़ेही व कुल्लो अिल्मेका नाफ़िज़ अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे अिल्मेका कुल्लेही अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन क़ौलेका बे अर्ज़ाहो व कुल्लो क़ौलेका रज़ी अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे क़ौलेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन मसाऐलेका बेअहब्बेहा इलैका व कुल्लो मसाऐलेका इलैका हबीबह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे मसाऐलेका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन शराफ़ेका बेअशराफ़ेही व कुल्लो शराफ़ेका शरीफ अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बेशराफ़ेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन सुलतानेका बेअदवमेही व कुल्लो सुलतानेका दाएम अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे सुलतानेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन मुल्केका बे अफखरेही व कुल्लो मुल्केका फाखिर अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे मुल्केका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन ओलूवेका बे अअलाहो व कुल्लो ओलूवेका आल अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे ओलूवेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिम मन्नेका बे अक़दमेही व कुल्लो मन्नेका क़दीम अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे मन्नेका कुल्लेह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका मिन आयातेका बे अक्रामेहा व कुल्लो आयातेका करीमह अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बे आयातेका कुल्लेहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बेमा अन्ता फ़ीहे मेनश शाने वल जबारूते व अस्अलोका बे कुल्ले शानिन वहदाहू व जबारूतिन वहदाहा अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका बेमा तोजीबोनी हीना अस्अलोका फाअब्जिनी या अल्लाह"

रोज़ा शुरू करने की दुआ

{अर्थात् खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे खुशनुमा (अच्छे-अच्छे) औसाफ (गुणों) में सब से ज़्यादः खुशनुमा के वास्ते से और तेरे औसाफ की खुशनुमाई सब ही यकसां (एक जैसी) हैं खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे तमाम औसाफ की खुशनुमाई से खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे जमाल ज़ात (खूबसूरत ज़ात) के सब से जमील (खूबसूरत) पहलू से और तेरे जमाल का हर पहलू इन्तिहाई जमील है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे जमाल के हर पहलू से खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी जलालत और बुजुर्गी की सब से बुजुर्ग हैसियत के वास्ते से और तेरी बुजुर्गी की हर हैसियत इन्तिहाई बुजुर्ग है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी बुजुर्गी के हर पहलू से खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी अज़मत के अज़ीम तरीन पहलू के साथ और तेरी अज़मत का हर पहलू अज़ीम है खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी अज़मत के हर पहलू से खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे नूर की सबसे नूरानी शुआअ (किरन) के वास्ते से और तेरे नूर की हर शुआअ इन्तिहाई नूरानी है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे नूर की हर शुआअ से खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी रहमतों से सबसे ज़्यादः वसीअ (बड़ी) रहमत के साथ और तेरी हर रहमत इन्तिहाई वसीअ है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी रहमत के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे कलमों (बातों) में से उसके साथ जो सबसे ज़्यादः पूरा है और तेरे कलमात सब ही पूरे हैं। खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे तमाम (सभी) कलमात के साथ खुदावन्दा मै तुझसे सवाल करता हूँ तेरे कमाल के कामिल तरीन (पूरे) पहलू के साथ और तेरे कमाल का हर पहलू इन्तिहाई कामिल है खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे कमाल के हर पहलू के साथ खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे नामों में से सबसे बड़े नाम के साथ और तेरे सब ही नाम बहुत बड़े हैं खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे सब नामों के साथ खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी अिज़्ज़त के सबसे ज़्यादः मोअज़्ज़िज़ पहलू के साथ और तेरी अिज़्ज़त का हर पहलू मोअज़्ज़िज़ है। खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी अिज़्ज़त के हर पहलू के साथ खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी मशीयत (खुदा की मर्ज़ी, कुदरत) की सबसे ज़्यादः असर करने वाली तासीर के साथ और तेरी हर मशीयत इन्तिहाई (हद से ज़्यादः) असर करने वाली है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी हर मशीयत के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी उस कुदरत के साथ जिससे तू ग़ालिब है हर चीज़ पर और तेरी हर कुदरत ग़ालिब है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी हर कुदरत के साथ खुदावन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे सबसे ज़्यादः गहरे इल्म (ज्ञान) के साथ और तेरा हर इल्म बड़ा गहरा है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे हर इल्म के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे सबसे ज़्यादः पसन्दीदः क़ौल (बात) के साथ और तेरा हर क़ौल बहुत पसन्दीदः है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे हर क़ौल के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ उन

अनुमति : अब्बास बुक एजेंसी द्वारा प्रकाशित "तोहफतुल-अवाम" से लिया गया ! अपनी किताबों को खरीदने के लिए संपर्क करें abbasbookagency@yahoo.com / अथवा एसेमेस भेजें : +91-941-510-2990

रोज़ा शुरू करने की दुआ

सवालों के साथ जो तुझको बहुत पसन्द हैं और तेरी तरफ जो सवाल हो वह महबूब ही है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ हर सवाल के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे शरफ के सबसे बेहतर पहलू के साथ और तेरा हर शरफ का पहलू बहुत बेहतर है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे शरफ के हर पहलू के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी सबसे दाएम सलतनत (हमेशा रहने वाली हुकूमत) के साथ और तेरी हर सलतनत दाएमी है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी हर सलतनत के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे मायानाज़ (कीमती) मुल्क के साथ और तेरा मुल्क मायानाज़ है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे हर मुल्क के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी बुलन्दी के सबसे बुलन्द नुकते के साथ और तेरी बुलन्दी का हर नुकतः इन्तिहाई बुलन्द है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी बुलन्दी के हर नुकते के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे एहसानों में सबसे क़दीम (पुराने) एहसान के साथ और तेरा एहसान क़दीम है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरे तमाम एहसानात के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी निशानीयों में सबसे बड़ी निशानी के साथ और तेरी तमाम निशानीयाँ बुजुर्ग (बड़ी) हैं खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ तेरी तमाम निशानीयों के साथ खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ वास्ते से उस शान और जबरूत (प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी) के जो तुझको हासिल है और सवाल करता हूँ हर शान के साथ तन्हा (अकेले) और हर जबरूत के साथ तन्हा खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ उस बात के वास्ते से कि जब मैं सवाल करता हूँ तो तू जवाब देता है अतः जवाब दे मुझको ए अल्लाह।}

फिर जो हाजत (दुआ) हो उसे मॉगे और सहर की छोटी दुआ यह है। :-

"या मफ़्ज़ई जिनदा कुरबती व या ग़ौसी जिनदा शिददती इलैका फ़ज़ेअतो व बेकस्तग़सतो व बेका लुज़तो ला अलूज़ो बे सेवाका वला अतलोबुल फराजा इल्ला मिनका फ़ाआग़िसनी व फर्रिज अन्नी या मय्यक़बालुल यसीरा व यअफ़ू अनिल क़सीरे इक़बल मिन्निल यसीरा वअफ़ो अन्निल कसीरा इन्नाका अन्तल ग़फ़ूरूर्रहीम अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलोका ईमानन तो बाशेरो बेही क़लबी व यक़ीनन सादेक़न हत्ता अअलामा अन्नाहू लय्योसीबानी इल्ला मा कतब्ताली व रज़्ज़ेनी मेनल ऐशे बेमा क़सम्ताली या अरहामरहिमीन या अुददाती फी कुरबाती व या साहेबी फी शिददाती व या वलीयी फी नेअमती व या ग़ायाती फी रग़बती अन्तस्सातेरो औराती वल आमेनो रौआती वल मोक़ीलो असराती फग़फिरली ख़तीअती या अरहामरहिमीन"

{अर्थात् ए मेरी पनाह की जगह मेरी तकलीफ के वक़्त और ए मेरी फर्याद पर पहुँचने वाले मेरी सख्ती के वक़्त तेरी तरफ पनाह लेता हूँ और तुझसे फर्याद करता हूँ और तुझसे लौ (उम्मीद) लगाता हूँ। नहीं लौ लगाता तेरे सिवा किसी से और नहीं तलब

रोज़ा शुरू करने की दुआ

करता कशाइश मगर तुझसे अतः तू मेरी फर्याद को पहुँच और मेरी तकलीफों को दूर कर ए वह जो थोड़ी नेकी को भी कुबूल करता है और मेरे गुनाह माफ करता है कुबूल कर मुझसे थोड़े अमल को और माफ कर मेरे बड़े गुनाह तू ही बस बख़्शने वाला और महरबान है खुदा वन्दा मैं तुझसे सवाल करता हूँ ऐसा ईमान जिसे तू मुत्तासिल करे (मिला) मेरे दिल के साथ और सच्चा यकीन यहाँ तक कि मैं समझ लूँ कि नहीं पहुँच सकता मुझको मगर वह जो तू ने मुकर्रर (तय) कर दिया है मेरे लिए और राज़ी कर दे मुझ को ज़िन्दगी में उस हिस्से पर जो तूने मेरे लिए करार दिया है ए रहम करने वालों में सबसे ज़्यादः रहीम ए मेरे सर व सामान मेरी तकलीफ के वक़्त और ए मेरे मोनिस व हमदम मेरी सख़्ती में और ए मेरे वली-ए-नेअमत और ए मेरी तवज्जोह के मर्कज़ तू ही छुपाने वाला है मेरे ऐब (गुनाह, बुराईयों) को और इत्मिनान देने वाला है मेरे ख़ौफ में और मआफ करने वाला है मेरी ख़ता (ग़लती) का, अतः बख़्श दे तू मेरी ग़लती को ए रहम करने वालों में सबसे ज़्यादः रहीम।}

अनुमति : अब्बास बुक एजेंसी द्वारा प्रकाशित "तोहफतुल-अवाम" से लिया गया ! अपनी किताबों को खरीदने के लिए संपर्क करें abbasbookagency@yahoo.com / अथवा एसेमेस भेजें : +91-941-510-2990